प्रत्यक्ष विदेशी निवेश में बनाया रिकॉर्ड

अभिषेक गुप्ता

2019-23 के बीच हुआ 11 हजार करोड़ रुपये का निवेश

इससे पहले 17 साल में आए थे मात्र तीन हजार करोड़

लखनऊ। प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) में यूपी ने तेज रफ्तार पकड़ी है। 2000 से 2017 के बीच 17 वर्षों में जितना विदेशी निवेश यहां आया, उसका करीब चार गुना 2019 से 2023 के बीच महज पांच वर्षों में आया है।

उद्योग संवर्धन व आंतरिक व्यापार विभाग और रिजर्व बैंक के मुताबिक 2000 से 2017 के बीच यूपी में केवल 3000 करोड़ रुपये का विदेशी निवेश आया। जबकि 2019 से जून 2023 के बीच करीब 11 हजार करोड़ रुपये सीधे विदेश से निवेश किए गए। अक्तूबर 2019 से जून 2023 के बीच देश के अलग-अलग राज्यों में आए एफडीआई की फेहरिस्त में यूपी 11वें स्थान पर आ गया है। इससे ऊपर महाराष्ट्र, कर्नाटक, गुजरात, दिल्ली, तमिलनाडु, हरियाणा, तेलंगाना, झारखंड, राजस्थान व पश्चिम बंगाल हैं। पश्चिम बंगाल में इस अवधि में 11335 करोड़ आए यूपी में 10535 करोड़। आर्थिक रफ्तार को देखते हुए इस साल यूपी के शीर्ष 10 राज्यों में शामिल होने की उम्मीद है। यूपी पंजाब, आंध्र, केरल, मध्य प्रदेश, हिमाचल, बिहार, चंडीगढ़, गोवा, छत्तीसगढ़ सहित 22 राज्यों को पीछे छोड़ चुका है।

>> संबंधित पेज 3 पर

यहां से सबसे ज्यादा निवेश

मॉरीशस, सिंगापुर, जापान, यूके, नीदरलैंड, यूएसए, जर्मनी, साइप्रस, फ्रांस व यूएई

इन सेक्टरों पर खास फोकस

सेवा प्रदाता, कम्प्यूटर सॉफ्टवेयर-हार्डवेयर, मोबाइल फोन व टेक्नोलॉजी, निर्माण क्षेत्र, आटोमोबाइल, फार्मा, ट्रेडिंग, केमिकल ऊर्जा व धातु क्षेत्र